

1. मान ले, बीखड़ियाँ को खोजने वाले प्रसंग की साहिल ने अपनी डापरी में लिखा। उसकी डापरी का वह अंश कल्पना करके लिखें [4]

2. सही मिलन करें। [4]

बाढ़ल बरस निम ना।	इसलिम वे घर से कुछ समय पहल निकल
बारिश की हवा में	फिर भी उन्हीं पानी बचा हुआ था
उन्हीं बीखड़ियाँ से मिलना था	चलती-फिरती खून की ट्यारी-ट्यारी बूँदें
बीखड़ियाँ	हरियाली की गंध घुनी हुई थी।

सूचना:- पाँचवीं कक्षा का रिजल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था। "साहिल अब तुम कहीं पढोगे?" बेला ने पूछा। "और तुम कहीं पढोगी बेला?" साहिल ने पूछा। "मेरे पापा कह रहे थे कि मुझे राजकीय कल्या पाठशाला में पढाएँगे और तुम?" "मुझे अगले साल अलमोर भेज देंगे, वहाँ एक डॉक्टर है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।"

3. बेला और साहिल की दोस्ती पर अपना विचार लिखें? [2]
4. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर एक दृश्य की पटकथा लिखें [4]
5. "मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना है", इसका मतलब क्या है? कविता के आधार पर व्याख्या करें [3]

सूचना:- संशोधन करके वाक्य का पुनर्लेखन करें:-

6. बेला के सिर पर पट्टी बाँधा था [1]
7. "बाढ़ल को देखकर घड़े को नहीं तुलाना चाहिए" दूधानदार ने ऐसा क्यों कहा? [2]